>

Title : Regarding development of Jharkhand particularly SCs/STs and OBCs living below poverty line.

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से संथाल-परगना जहां से मैं मैम्बर ऑफ पार्लियामैंट हूं, उसकी स्थितियों के बारे में ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। श्री प्रेमचंद की एक नमक का दरोगा कहानी है। उसमें कहा जाता है कि अमीरी की कब्र पर पनपी हुई गरीबी बड़ी जहरीली होती है। मैं यह बात इसलिए कहता हूं कि संथाल-परगना या झारखंड इस देश का 50 प्रतिशत माइन्स और मिनरल्स प्रोडयूस करता है। मैं जिस एरिया से आता हूं, इसके बावजूद वहां 75 प्रतिशत लोग शैडयूल्ड कास्ट्स, शैडयूल्ड ट्राइब्स, बैकवर्ड हैं और वे बीपीएल श्रेणी में निवास करते हैं। उसका बार्डर एक तरफ बंगलादेश से जुड़ा हुआ है और दूसरी तरफ नेपाल से जुड़ा हुआ है। वहां पीने के पानी का यह समस्या है कि आदमी पानी पी रहा है या जानवर पानी पी रहा है, इसका अंदाजा नहीं है। स्कूल का यह हाल है कि वहां 20 से 22 प्रतिशत महिलाएं ही केवल स्कूल जा रही हैं, साक्षर हैं। छः जिले - गोड्डा, देवघर, दुमका, जामताड़ा, पाकुड़ और साहबगंज है। उसका साक्षरता का प्रतिशत 20 से 22 है। वहां जो इरीगेशन प्रौजेक्ट चल रहे हैं, किसी भी खेत में पानी नहीं है। वे 40-40 साल से चल रहे हैं। आप समझिये कि वह करप्शन का सबसे बड़ा अड्डा है। वहां कोई इलैक्ट्रीसिटी नहीं है। दस हजार मेगावाट वहां जो कोयला है, संथाल-परगना में एशिया का सबसे बड़ा राजमहल कोल ब्लाक, चित्रा कोल ब्लाक है। उससे बिहार के कहलगांव में पावर प्रोडयूस हो रही है, फरक्का में प्रोडयूस हो रही है और वहीं से पंजाब जा रही है, वैस्ट बंगाल जा रही है। पूरे संथाल-परगना में एक भी पावर प्लांट नहीं है। एक महिला कालेज नहीं है और जो महिला कालेज है, उसकी पूरी दीवार टूटी हुई है। लड़के जो कालेज में आते हैं, उनकी अटेंडैंस का केवल दस से बारह प्रतिशत का ही चार्ट है। मैं कहना चाहता हूं कि वह डिप्राइव्ड सैक्शन है, बंगलादेश और नेपाल से बार्डर जुड़ा हुआ है, रोजगार का कोई भी साधन नहीं है, सब बेरोजगार हैं। इस कारण वह ईपी सैंटर है। केन्द्र सरकार ने अभी जो 34-35 जिले लिये हैं और जिनमें वह 15 हजार करोड़ रुपये इन्वेस्ट कर रही है, मैंने प्रधान मंत्री जी को पत्र लिखा है, गृह मंत्री जी से कहा है, वित्त मंत्री जी को कहा है कि जब तक आप इन छः जिलों को इनक्लूड नहीं करेंगे, मैं आपको बता दूं कि जब हमारे पड़ोसी मुल्क के एक व्यक्ति प्रधान मंत्री बने, जो माओइस्ट हैं, जब वे यहां आये, माननीय शरद यादव जी इस सदन के सांसद हैं। जब उन्होंने दिल्ली में प्रैस कांफ्रेंस की, तो कहा कि जब वे अंडर ग्राउंड थे, तब उन्होंने पांच साल उसी संथाल-परगना में बिताये। यह उन्होंने टीवी पर ऑन रिकार्ड कहा, मीडिया में कहा कि वह इतना बड़ा नक्सलवादियों का ईपी सैंटर है। मेरा केन्द्र सरकार से आपके माध्यम आग्रह है कि आप उन छः जिलों को नक्सलाइट अफैक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स में इनक्लूड कीजिए, नहीं तो आपका 15 हजार करोड़ रुपया डूब जायेगा, क्योंकि नक्सलवादी वहीं से उड़ीसा, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश या बिहार जा रहे हैं।